



बच्चों को सिखाएं काम-काज, उनकी काम में मदद करें



घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें

कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें

यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सेट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं

बच्चा काम को एनर्जीय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

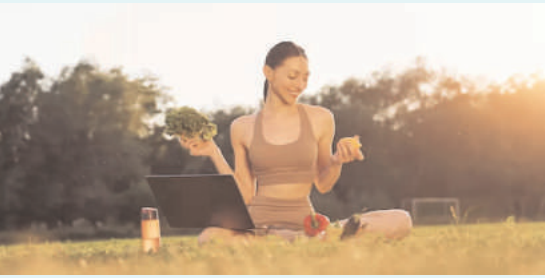
खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोरा न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जुते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफ करें

जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बढ़ती उम्र में जीवनशैली में बदलाव से नजर आयेंगी युवा



अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी खूबसूरत और युवा नजर आयें तो अपनी जीवनशैली में इस प्रकार के बदलाव करें। नियमित व्यायाम करें

अगर आप चाहती हैं कि आपका शरीर उम्र के साथ ढीला न पड़े तो रेजिस्टेंस ट्रेनिंग आपकी रूटीन का हिस्सा होनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग आपकी बॉडी मसल्स को मेटेन रखती है। इसके लिए हल्का वजन उठाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन की मात्रा बढ़ाएं। बेहतरीन रिजल्ट के लिए वेट ट्रेनिंग के दौरान पूरी बॉडी पर फोकस करें।

प्रोटीन का अधिक सेवन करें

प्रोटीन की कमी से शरीर में मसल लॉस हो सकता है। 50 साल के बाद आपके शरीर को पहले से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। देखा जाए तो पर किलो वजन के हिसाब से आपके शरीर को 0.8 ग्राम वजन की जरूरत होती है।

खुद को जवान और स्वस्थ बनाए रखने के लिए तीनों बार खाने में प्रोटीन शामिल करें। सिर्फ डिनर में प्रोटीन के बजाय ब्रेकफास्ट और लंच में भी इसे शामिल करें।

विटमिन डी की मात्रा का रखें ध्यान

सनशाइन विटमिन आपके शरीर में काफी परिवर्तन ला सकता है। अगर आपके शरीर में विटमिन डी कम है तो ध्यान रखें कि सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताएं और विटमिन डी खाने में शामिल करें।

डायट में शामिल करें ऐंटीऑक्सिडेंट्स

ग्रीन टी में पर्याप्त मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट सही रहता है साथ ही फिजिकल परफॉर्मेंस भी सुधरता है। आप अनार खाना भी शुरू कर सकते हैं। ऐंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे आपकी त्वचा अंदर से खूबसूरत बनती है और उम्र का असर नहीं दिखता।

हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप कई बीमारियों से रहेंगे दूर



अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। लोग इस पर ध्यान



फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति न जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर

कम देते हैं! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिलें हैं और उसे दोस्त करें खूब हसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें।

इस प्रकार मेंहदी लगेगी खूबसूरत

मेंहदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्कि इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेंहदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेंहदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेंहदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेंहदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी – मेंहदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेंहदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेंहदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है। मेंहदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेंहदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।



ठंडी रोटी गर्म करने का कमाल का नुस्खा जान लें, रोटियां बनी रहेंगी बिल्कुल सॉफ्ट



खाने का मजा तो गर्मगर्म ही आता है। दाल, सब्जी, रोटी, चावल हर चीज तब फ्रेश और गर्म रहती है तो स्वाद बढ़ जान लें। खासतौर पर रोटियां तो गर्म ही अच्छी लगती हैं। क्योंकि इन्हें दोबारा से गर्म करने पर अकड़ जाती है या कड़क हो जाती है। लेकिन भागदौड़ भरी लाइफ में ज्यादातर लोग रखा हुआ खाना खाते हैं। चाहे मेड खाना बनाकर जाए या खुद से खाना बनाना हो अक्सर रोटियों को सेंककर कैसरोल में बंद कर दिया जाता है। लेकिन सदी के दिनों जब सारी चीजें जल्दी से ठंडी हो जाती हैं तो कैसरोल में रखी रोटी पर भी असर होगा ही, रोटियां भी जल्दी से ठंडी हो जाती हैं। अब इन रोटियों को दोबारा से अगर गर्म किया जाए तो ये कड़क हो जाती है और

अगर घी लगाकर गर्म किया जाए तो रोटियों का न्यूट्रिशन कम हो जाता है। ठंडी रोटियों को गर्म करने की ऐसी ट्रिक जान लें। जिससे तवा चढ़ाए बगैर रोटियां गर्म भी जाएं और उनकी सॉफ्टनेस भी खत्म ना हो। ऐसे में ये हैक आपकी मदद कर सकता है।

ठंडी रोटियों को गर्म करने का हैक सॉरिंदियों में रखी हुई रोटियों को गर्म करना है और साथ ही उसे सॉफ्ट और मुलायम बनाए रखने के लिए ये नुस्खा बड़े काम का साबित हो सकता है।

इसके लिए कैसरोल की बजाय बस किसी स्टील के टिफिन में रोटियों को सेंककर रख दें। साथ ही रोटियों को कपड़े में लपेट दें, जिससे उनका मॉइश्चर ना उड़े।

जब खाना टेबल पर लगा रही हो तो उसी वक्त स्टील के टिफिन में रखी कपड़े से ढंकी रोटियों को कुकर के अंदर रखें और ढक्कन बंद कर दें।

ध्यान रहे कि कुकर की सीटी को नहीं निकालना है। बस दो से तीन मिनट में जब भाप बन जाए तो गैस की फ्लेम को बंद कर दें। साथ ही सीटी पूरी बजनी भी नहीं चाहिए। बस भाप बन जाए, इतने में ही रोटियां अंदर तक पूरी गरम हो जाएंगी।

साथ ही ये रोटियां सॉफ्ट भी बनी रहेंगी।

अधिकतर तवे पर रोटी को दोबारा गर्म करने पर अकड़ जाती हैं। लेकिन ये हैक बिना झंझट झटपट ठंडी रोटियों को गर्म करने में मदद करेगा।

विराजमान थे। शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल माहेस्वरी भवन पहुँची जहाँ मुख्य यजमान व आयोजक संजय व अंजू काबरा ने व्यासपीठ की पूजा अर्चना कर आरती की तथा कलश की स्थापना की। शनिवार की कथा में वरिष्ठ पार्षद पंडित गुरुद्वीप, बगडिया स्कूल सचिव पवन गोयनका, व्यवसायी व समाजसेवी विष्णु काबरा, राखरवरूप सोमानी, स्वर्णकार समज संस्था अध्यक्ष रामगोपाल जड़िया, समज काबरा दिल्ली, नगर पालिका उपाध्यक्ष बन्वारीलाल पांडे, भाजपा जिला मंत्री डॉ अर्चना पुरोहित, भाजपा पूर्व जिला मंत्री जयप्रकाश सरावगी, पूर्व शहर भाजपा अध्यक्ष मनोज शर्मा, व्यवसायी श्यामसुंदर खाटूवाल, ललित भूत, सुशील जाजौदिया रामचंद्र नारंगोलीया, कमल तोदी, दीपक जाजौदिया, संदीप पंसांरी, संदीप बजाज, अनिल सोमानी, ओमप्रकाश लाटा, सुशील चित्तलांगिया, सोमोण काबरा, सरिता शर्मा, सोनू सोमानी, सहित काफ़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे।

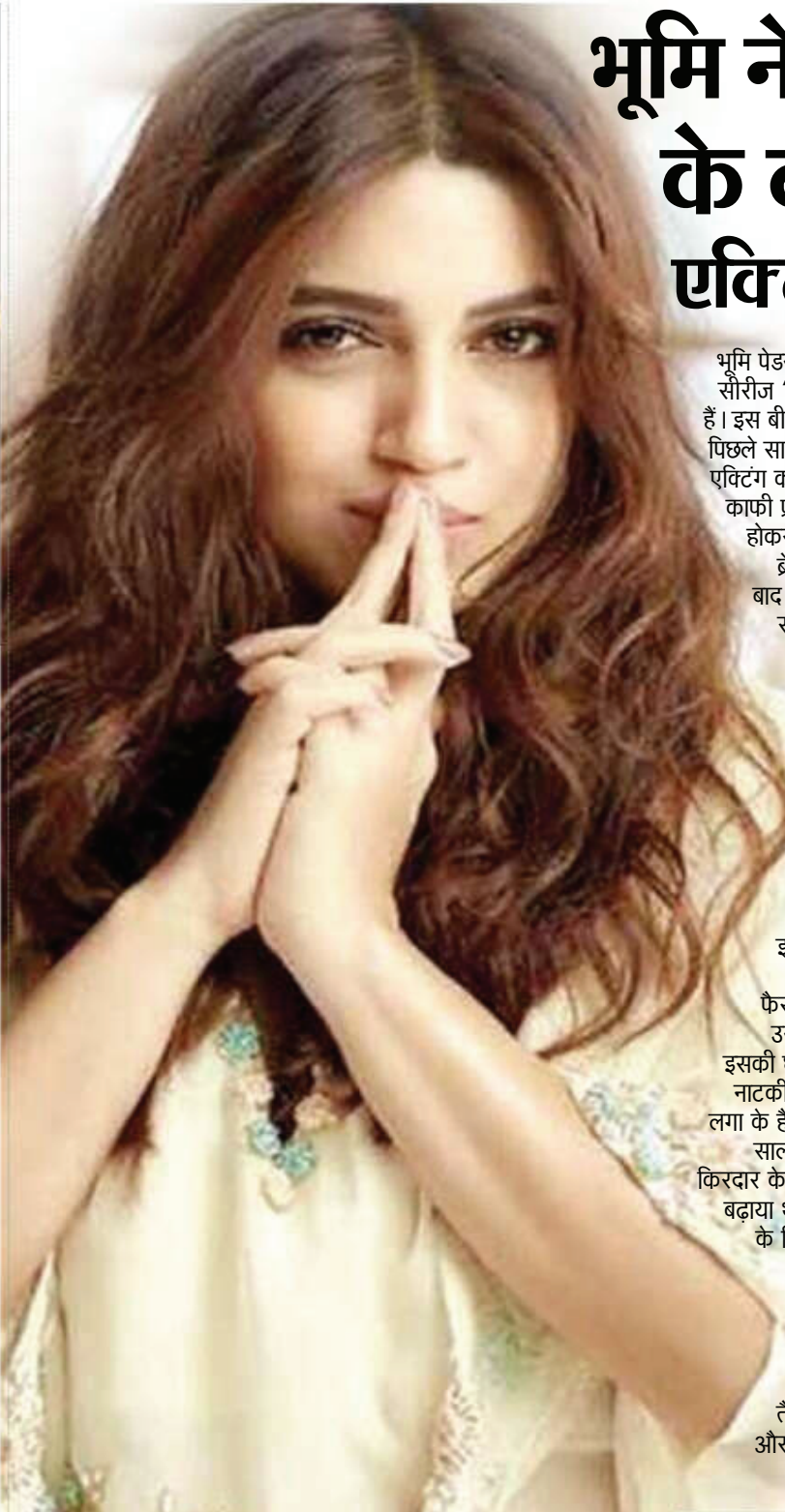


अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली में असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय पलेशबेक में नजर आ सकते हैं। धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुर कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेड्डी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्य 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं।



भूमि ने बताया 'द रॉयल्स' के बाद क्यों लिया था एक्टिंग से नौ महीने का ब्रेक

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच भूमि पेडनेकर ने बताया कि पिछले साल आई 'द रॉयल्स' में उनकी एक्टिंग को लेकर हुई आलोचना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। इससे प्रभावित होकर एक्ट्रेस ने नौ महीने का लंबा ब्रेक ले लिया। अब इस ब्रेक के बाद भूमि 'दलदल' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बिना किसी घोषणा के ब्रेक लिया था।

'द रॉयल्स' की आलोचना ने ब्रेक लेने पर किया मजबूर बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे बहुत द्रोल किया गया। लेकिन इन सबके बीच बहुत सारी किफाई आलोचना भी हुई। इस सबने मुझे 2025 में अपने जीवन के लिए कुछ बहुत बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरित किया। उनमें से एक ब्रेक लेना था। मैंने इसकी घोषणा नहीं की क्योंकि मैं इसे नाटकीय नहीं बनाना चाहती थी। दम लगा के हेशा के बाद से मैं लगातार 10 साल से अभिनय कर रही हूँ। उस किरदार के लिए भूमि ने 30 किलो वजन बढ़ाया था और तब से अपने किरदारों के लिए शारीरिक परिवर्तन करना उनका निरंतर प्रयास रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि आप किसी किरदार की तैयारी करते समय भावनात्मक और मानसिक रूप से किन-किन चीजों से गुजरते हैं।

जून से किसी सेट पर नहीं गईं

भूमि ने बताया कि इन आलोचनाओं से मैं भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में, एक इंसान के रूप में, भूमि के रूप में अपनी पहचान पूरी तरह खो चुकी थी। इसलिए मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने ब्रेक लिया। जून से मैं किसी सेट पर नहीं गई हूँ। कई बार जब कोई कलाकार ऐसा स्वीकार करता है, तो इसे निगेटिव तरीके से देखा जाता है। लेकिन यह मैंने अपनी इच्छा से किया था। यह मेरे लिए सबसे अच्छा फैसला है।

कई फिल्में टुकराई और अवॉर्ड्स फंक्शन को किया मना

अब नौ महीने बाद मार्च में अपने पहले कोर्टरूम ड्रामा के साथ सेट पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने कहा यह महिलाओं और हाथिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा झेली जाने वाली यौन हिंसा के बारे में है। यह एक थिएटर फिल्म है। मैं पिछले दो महीनों से इस पर काम कर रही हूँ। मैं फिल्म सेट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। ब्रेक के दौरान मैंने फिल्में छोड़ दीं। मुझे साइनिंग अमाउंट वापस करने पड़े। मुझे कई चेक टुकराई पड़े, जो कि बहुत बड़ी रकम होती है। बात सिर्फ फिल्में न करने की नहीं थी, बल्कि मैंने पब्लिक अपीयरेंस भी कम कर दी। मुझे कई अवॉर्ड शो और फैशन इवेंट्स को मना करना पड़ा। मैं बस सबसे अलग होना चाहती थी। मैं यह अनुभव करना चाहती थी कि अकेले रहना कैसा लगता है। अगर मैं सब कुछ खो दूँ, तो क्या मैं जीवित रह पाऊंगी? मुझे पता है कि मैं जीवित रह पाऊंगी।

खुद से किए सवाल, ब्रेक लेना सही फैसला

अपने ब्रेक के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे पास अब कोई वास्तविक अनुभव नहीं बचा था, जिसे मैं अपने अभिनय में इस्तेमाल कर सकूँ। मेरा सबसे बड़ा डर हमेशा यही रहा है कि मैं कभी भी औसत दर्जे की अभिनेत्री नहीं बनना चाहती। मुझे लगता है कि मैं उस मुकाम तक पहुँच चुकी थी। मेरे लिए इसे स्वीकार करना और इससे मुह न मोड़ना महत्वपूर्ण था। क्योंकि मैं जानती हूँ कि मैं क्या कर सकती हूँ। मैं खोई हुई थी, इसलिए मैंने अपने कुछ पुराने काम देखे। मैं सोच रही थी, क्या मैं सच में अभिनय कर सकती हूँ? क्या मुझमें वह क्षमता है? हर अभिनेता के लिए उस दायरे से बाहर निकलना बहुत जरूरी है। उस अनुभव ने मुझे झकझोर दिया। मैं बहुत खुश हूँ कि लोगों ने द रॉयल्स देखा। इससे कुछ अच्छा नतीजा निकला। लेकिन सबसे अच्छी बात यह हुई कि मैं भूमि से एक इंसान के तौर पर और एक अभिनेत्री के तौर पर फिर से जुड़ पाई।

पुलिस अधिकारी के किरदार में 'दलदल' में आएंगी नजर

फिलहाल अपनी फिल्म से पहले भूमि क्राइम-थ्रिलर शो दलदल में नजर आएंगी। इसमें वो मुंबई की एक पुलिस अधिकारी रीता फरेरा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने द रॉयल्स की शूटिंग खत्म करने के तुरंत बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू की थी। आदित्य रावल और समारा तिजोरी भी इस शो में हैं। दलदल का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और यह 30 जनवरी को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज होगा।

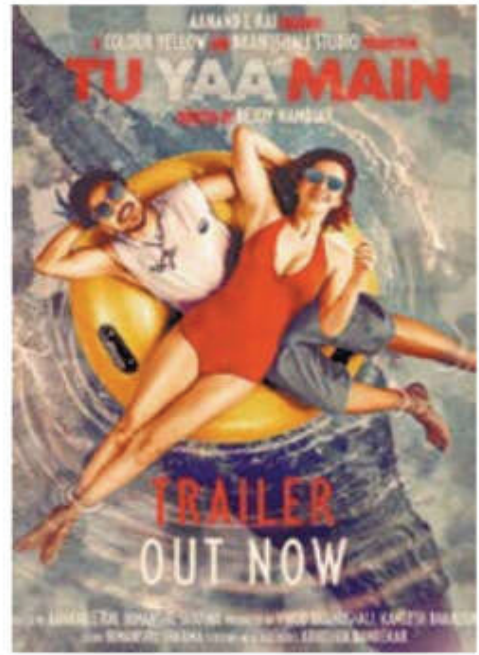
कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50

फराह खान के रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहाँ एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूँढती रहती हूँ, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा।



शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' का ट्रेलर रिलीज

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। बेजॉय नाभियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो इन्फ्लुएंसर्स और एक मगरमच्छ के डर्ड-गिर्द घूमती है, जो उनके एक अप्रत्याशित कोलैबरेशन के बीच आ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में एक हाथ खून भरी मांग (1988) की वीसीआर टेप चुनता है। रेखा को मगरमच्छों से भरे पानी में फेंके जाने का पॉपुलर सीन फ्लैट स्क्रीन टीवी पर चलता है। इसी सीन के बीच में नालासोपारा के गली रैपर मारुति कदम उर्फ आला फलोपारा (आदर्श) और एक हाई-क्लास इन्फ्लुएंसर अवनी शाह उर्फ मिस वेनिटी (शनाया) की एंट्री होती है। दोनों मिलते हैं, एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और एक कोलैबरेशन के लिए शहर से बाहर जाने का फैसला करते हैं। लेकिन जल्द ही वे खुद को एक सुनसान स्विमिंग पूल में मगरमच्छ से लड़ते हुए पाते हैं। ट्रेलर में कई हेरान कर देने वाले सीन हैं। मारुति और अवनी उस मगरमच्छ से बचने के तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।



पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूँ, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अघूरी इच्छाएँ पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियाँ लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियाँ आती थीं। मेरे डेडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुई रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे



रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दाना 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने खल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूँ तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आगामी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन

मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अकल के पास जाकर कह आई थी कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूँ

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूँ। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्टूडल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूँ। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

